Telangana Today - 30 April -2024

Jhelum swells as rain lashes J&K

INCLEMENT WEATHER : The water level of river Jhelum rises after rains lashed many parts of Jammu and Kashmir for the second consecutive day, in Srinagar, on Monday. — Photo: PTI

Deccan Chronicle - 30 April -2024

WATER | WOES

Urges Tribunal to allot 36 tmc ft for drinking water purposes

TS seeks 789 tmc ft Krishna water

BALU PULIPAKA I DC
HYDERABAD, APRIL 29

The Telangana state government has urged the Krishna Waters Disputes Tribunal-II (KWDT-II) that it should be allocated 789 tmc ft of water from the 1,050 tmc ft available in Krishna river in the erstwhile united AP state.

In its submissions recently to the KWDT-II, the state government said it should get 299 tmc ft for completed projects in the state, while 238 tmc ft should be approved for projects under construction, and another 216 tmc ft for proposed projects on the river in Telangana.

In addition, the state told KWDT-II in its statement, that of the water available in the then unified Krishna district in the river, Telangana should get 36 tmc ft for drinking purposes. The state government urged the tribunal to take into consideration that with 68 per cent of Krishna river's catchment area being in Telangana, the state should get a legitimate share of 789 tmc ft of water from the river.

It may be recalled that KWDT-I had allocated 811 tmc ft of water for unified AP of which, post bifurcation of the state, the then BRS government had agreed to an ad-hoc arrangement of 299 tmc ft for Telangana while agreeing to residuary AP getting 511 tmc ft of water.

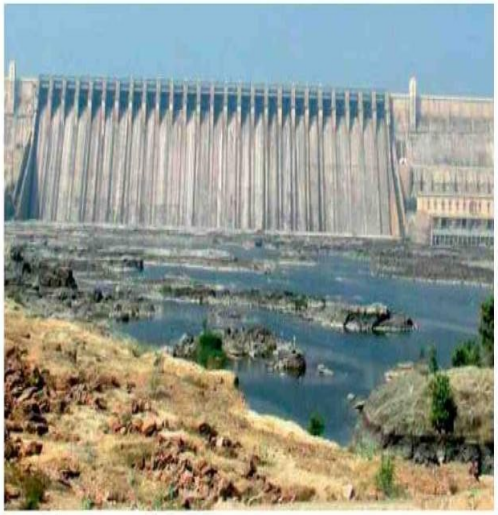

Nagarjunasagar dam

Rajasthan Patrika - 30 April -2024

पत्रिका टीम ने किया चंबल नदी में गिर रहे गंदे नालों का सर्वे

नमामि गंगे प्रोजेक्ट में करोड़ों का बजट खर्च, फिर भी चंबल में गिर रहा गंदे नालों का पानी

अपस्ट्रीम में ही चार गंदे नालों का पानी भी मिल रहा

रणजीतसिंह सोलंकी, मुकेश शर्मा
patrika.com

कोटा. केंद्र सरकार ने चार साल पहले नदी के शुद्धीकरण और जलीय जीवों को पर्यावरणीय नुकसान से बचाने के लिए नमामि गंगे प्रोजेक्ट में चंबल नदी को शामिल किया था। इसके लिए करीब ढाई सौ करोड़ का बजट दिया, लेकिन यह बजट अन्य मद पर खर्च कर दिया। चंबल नदी में गिरने वाले गंदे नालों के पानी को रोकने की दिशा में कोई काम नहीं हुआ है। स्थिति यह है कि चंबल की अपस्ट्रीम में ही चार बड़े नालों का गंदा पानी गिर रहा है। इन नालों से आस-पास की बस्तियों का सीवरेज नदी में मिल रहा है।

पत्रिका टीम ने विधायक संदीप शर्मा, पर्यावरण प्रेमियों व जनप्रतिनिधियों के साथ नाव में बैठकर चंबल में 15 किमी दौराकर नालों की स्थिति देखी। अपस्ट्रीम में अकेलगढ़ से शहर में जलापूर्ति की जाती है। सौ मीटर दूर ही दर्जनभर बस्तियों का गंदा पानी नदी में गिर रहा है। विधायक ने भी चंबल में गंदे नालों का पानी गिरने पर हैरानी जताई।

कोटा बैराज से नयापुरा पुलिया तक 2.7 किमी के क्षेत्र में नदी के दोनों तरफ नालों को ट्रेप कर तीन सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के जरिए फिल्टर किए जा रहे हैं। इसके बाद ही नालों का पानी नदी में डाला जा रहा है। डाउनस्टीम में साजीदेहड़ा में अतिरिक्त 50 एमएलडी के एसटीपी प्लांट की जरूरत है। नयापुरा पुलिया के पार भी दो दर्जन नाले चंबल को गंदा कर रहे हैं।

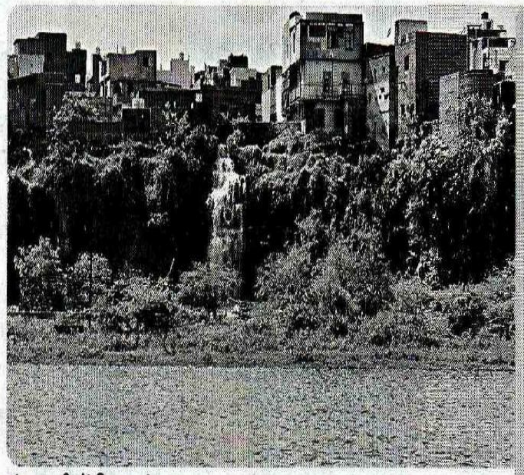

चंबल नदी में गिरता गंदा नाला।

यहां गिर रहा गंदे नाले का पानी

अपस्ट्रीम क्षेत्र में साजीदेहड़ा, अधरशिला, शिवपुरा, गोदावरी धाम, आरएसी क्षेत्र में गंदे नालों का पानी गिर रहा है। अकेलगढ़ में फिल्टरेशन प्लांट से पानी फिल्टर करने के बाद निकलने वाले दूषित पानी के साथ दर्जनभर बस्तियों के नाले जोड़ दिए गए हैं। बस्तियों का सीवरेज चंबल में पहुंच रहा है। कोटा में 66 एमएलडी क्षमता के एसटीपी प्लांट है। ये तीनों प्लांट बैराज से नयापुरा तक के नालों को ही कवर करते हैं। वर्तमान में तीन प्लांट है। इसमें से 30 एमएलडी क्षमता का एक प्लांट साजीदेहड़ा में है, वहीं दूसरा 30 एमएलडी का प्लांट बालिता में है, जबकि 6 एमएलडी का एसटीपी प्लांट बालिता में है। इन प्लांट की क्षमता बढ़ाने की जरूरत है।

चंबल नदी में गिरने वाले नालों को एसटीपी प्लांट से जोड़ कर फिल्टर किया जाए। इसके बाद ही नदी में डाला जाए। अकेलगढ़ फिल्टरेशन प्लांट के पास नालों का पानी गिरना चिंताजनक है। इस पर तुरंत कार्रवाई की जानी चाहिए।

डॉ.सुधीर गुप्ता, पर्यावरणप्रेमी

चंबल नदी में गंदे नालों का पानी गिरना चिंताजनक है। जल्द संबंधित अधिकारियों की संयुक्त बैठक लेकर नदी में गंदे नालों को गिरने से रोकने की कार्ययोजना पर चर्चा की जाएगी।

संदीप शर्मा, विधायक, कोटा दक्षिण

अपस्ट्रीम में गिरने वाले नालों के मामले में चीफ इंजीनियर से बात कर इसके बारे में योजनाबद्ध तरीके से काम किया जाएगा।

कुशल कुमार कोठारी, सचिव, नगर विकास न्यास, कोटा